उत्तरदायित्व राज्य सरकार का है।

(ग) और (घ). इस सड़क के बारे में, जिसमें इस पर बाई-पास भी शामिल है, राज्य सरकार से कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। यह एक राज्य सड़क है और राज्य सरकार ही मामले से संबंधित है।

राज्यों की राजधानियों में दूरदर्शन केन्द्रों की स्थापना

5100. **श्री एस० एस० सोमानी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार सभी राज्यों की राजधानियों में दूरदर्शन केन्द्र खोलने का है ; और

(ख) यदि हां, तो इस योजना को कब तक क्रियान्वित कर दिया जायेगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) और (ख). छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान, तीन राज्यों अर्थात् गुजरात, कर्नाटक और केरल की राजधानियों में दूरदर्शन केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। सभी राज्यों की राजधानियों में दूरदर्शन केन्द्रों की व्यवस्था करने में वित्तीय संसाधनों की विकट कमी और दूरदर्शन को दी गई अल्प प्राथमिकता के कारण कुछ और समय लगने की सम्भावना है।

Installation of New A.I.R. Station in Orissa

5101. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have finalised the proposals to set up new Radio Stations in the State of Orissa in Sixth Plan;

(b) if so, which are the places selected for the stations; and

(c) funds provided for the initial works of the proposed Radio Stations?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

कागज तथा गत्ता मिलें तथा उनकी क्षमता, उत्पादन और कागज की खपत

5102. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या उद्योग मंत्री कागज मिलों की संख्या तथा कागज के मामले में आत्मनिर्भरता के बारे में 8 मार्च, 1978 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1927 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 87 मिलें कागज और गत्ता बना रही हैं और यदि हां, तो प्रत्येक मिल की विभिन्न प्रकार का कागज तथा गत्ता बनाने की लाइसेंस प्राप्त क्षमता कितनी है ;

(ख) उन मिलों के नाम क्या है जिनका उत्पादन लाइसेंस क्षमता से कम हो रहा है तथा उन मिलों के नाम क्या हैं जिन्होंने उत्पादन क्षमता के विस्तार के लिए सरकार से अनुरोध किया है ;

(ग) भारत में अखबारी कागज की कुल खपत कितनी है और क्या स्वदेश में ही मांग पूरी करने के लिए कोई नीति बनाई गई है ;

(घ) किस-किस देश से कितना-कितना कागज किस मूल्य पर आयात किया गया और कितने अखबारी कागज के लिए भुगतान